



भारत का अजापत्र

The Gazette of India

विसाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—वार्ष 3—उप-वार्ष (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 98]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 9, 1990/फाल्गुन 18, 1911

No. 98]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 9, 1990/PHALGUNA 18, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली ही विसर्ग कि यह वलग संकलन के क्षेत्र में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1990

सं. 6/90—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन. टी.)

सा. का. नि. 129(अ).—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क टैरिफ प्रधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपर्योगी सं. 5406.90 के अंतर्गत आने वाले संशिलिष्ट टैक्सटाइल सामग्री के उच्च धनत्व पोलिएथिलीन स्ट्रिप और वैसी ही चीजें, जो बोरियों की सिलाई के लिए आशयित हैं, 1 मार्च, 1986 को प्रारंभ होने वाली और 28 फरवरी, 1987 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान उक्त अनुसूची में विनियोगित दर पर उत्पाद शुल्क की दायी थीं;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के अनुसार, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के प्रधीन

उत्पाद-शुल्क के उद्घाटन की बाबत (जिसके अंतर्गत उसका उद्घाटन न किया जाना है) साधारणतया प्रचलित थी, उक्त अवधि के दौरान ऐसे स्ट्रिपों और वैसी ही चीजों पर उत्पाद शुल्क 3.52 रु. प्रति किलोग्राम की निम्नतर दर पर संदर्भ किया जा रहा था और अतः उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन कम उद्घृत किया जा रहा था;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर ऐसे स्ट्रिपों और वैसी ही चीजों पर, उक्त केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम 1944 के अधीन संदेय संपूर्ण उत्पाद शुल्क के उस भाग का ऐसे स्ट्रिपों और वैसी ही चीजों की बाबत संदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिन पर उक्त उत्पाद-शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान कम उद्घृत किया गया था।

[फा. सं. 54/2/87 — सी एक्स 1]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 9th March, 1990

No. 6/90-CENTRAL EXCISE (N. T.)

G.S.R. 129 (E).—Whereas high density polyethylene strips and the like of synthetic textile material, falling under sub-heading No. 5406.90 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), and intended for stitching of sacks were liable to duty of excise at the rate specified in the said Schedule during the period commencing on the 1st March, 1986 and ending with the 28th February, 1987 ;

And whereas the Central Government is satisfied that, according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on such strips and the like was being paid at a lower rate of Rs. 3.52 per kilogram and therefore short-levied under section 3 of the said Central Excises and Salt Act, during the said period ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11-C of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby directs that the whole of that portion of the duty of excise payable under the said Central Excises and Salt Act, 1944 on such strips and the like, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such strips and the like, on which the said duty of excise was short-levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 54/2/87-CX. I]

सं. 7/90 — केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन. टी)

सा. का. नि. 130(अ).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के उपर्युक्त सं. 5406.90 के अंतर्गत आने वाले संशिष्ट टैक्साइल सामग्री के उच्च घनत्व पोलिएथिलिन स्ट्रिप और वैसी ही चीजें जो ऐसे फैब्रिकों के न्यूनतम के लिए आशयित हैं जो बोरियों के विनिर्माण में आगे प्रयोग किए जाते हैं, 1 मार्च 1987 को प्रारंभ होने वाली और 16 मार्च, 1987 को समाप्त होने वाली अवधि के बीच उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर पर उत्पाद शुल्क की दायी थीं ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के अनुसार, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पाद-शुल्क के उद्धरण की बाबत (जिसके अंतर्गत उसका

उद्धरण न किया जाना है) साधारणतया प्रतिलिप थी, उक्त अवधि के दौरान, ऐसे स्ट्रिपों और वैसी ही चीजों पर उत्पाद-शुल्क 3.52 रु. प्रति किलोग्राम की निम्नतर दर पर संदत्त किया जा रहा था और अतः उक्त अधिनियम की धारा 3 के अधीन कम उद्धरणीत किया जा रहा था ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11-ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर ऐसे स्ट्रिपों और वैसी ही चीजों पर, उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1944 के अधीन संदेय मंतूर्ण उत्पाद-शुल्क के उस भाग का, ऐसे स्ट्रिपों और वैसी ही चीजों की बाबत संबंध किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिन पर उक्त उत्पाद शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के बीच उद्धरण कम उद्धरणीत किया गया था ।

[फा. सं. 54/2/87 — सी एक्स — 1]

एस. के. पांडा, अवार सचिव

No. 7/90-CENTRAL EXCISE (N. T.)

G.S.R. 130 (E).—Whereas high density polyethylene strips and the like of synthetic textile material, falling under sub-heading No. 5406.90 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and intended for weaving of fabrics further used in the manufacture of socks were liable to duty of Excise @ specified in the said schedule during the period commencing on the 1st March, 1987 and ending with the 16th March, 1987 ;

And whereas the Central Government is satisfied that, according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excise and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on such strips and the like, was being paid at a lower rate of Rs. 3.52 per kilogram and therefore short-levied under section 3 of the said Central Excises and Salt Act, during the said period ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11-C of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby directs that the whole of that portion of the duty of excise payable under the said Central Excises and Salt Act, 1944 on such strips and the like, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such strips and the like, on which the said duty of excise was short-levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 54/2/87-CX. I]

S. K. PANDA, Under Secy.